

18

53576
1350
1818

2145

वि. शास्त्री क.

ऐश्रीमारिकठगवडेनमः॥ ऐश्रीगुरुवेभाम्भुतीकुपा
 ऐकवयाभिपगंविष्टंभदभूगृष्टिणंमिवे॥मिला
 याःमारिकागृष्टयापगंभवभुकुपिगतेभा॥ विनाति
 इन्द्रियोरुविविनाष्टभेविनाज्ञनमः॥ विनाप्रगष्ट्रियं
 सष्टंविनादिभंसउद्यनमः॥ विनाममनगमनमः
 विनाभमयप्रणनमः॥ यवालळेहुलेभवेउंविष्टं

महापावति॥ यामेवीमेत नालेकेमिलाऊपाभिसा
रिका॥ महातिवतिविसुंतुभेदरिष्टुतितामभी॥ भैव
भेभारि॥ अरेविपारभैसुदमविनी॥ परम्परम्पर
तेभदविष्टुतिमिला॥ उभुतामभदभुतेवलया
मिगदभुकभा॥ गदभुमभमचभुमकलागारव
लभभा॥ येएपैरगभैविष्टुपैरेमएभदभुकभा

एगयेकवमंमिहं प० दे दे सुगं पगभा ॥ किंतु भुङ्गुलं ले
के ना प्रयाहृमपी सुति ॥ न भु श्री मारिका ठगवती भव
नाम भद भु भुवगा ए ॥ श्री भद मेव ट धिः ॥ त्रिभु
॥ श्री मारिका ठगवती मेव उ ॥ मांती एभा ॥ श्री
मक्तिः ॥ हं कीलकभा ॥ श्री विदु मिदुते ॥ एम उ क
भमेदुते ॥ एपेवा पा० विनियोगः ॥ सुषण नभा ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वरुणसिंहासनाय
नमः ॥ भिन्दति कुम्भं मिव वामभवेव ॥ लीलां
करोते उभयभिरिकेसीभिरा ॥ १० ॥ ॐ ह्रीं श्रीं कुम्भं पुंसां
श्रीः शारिकाष्टाभभुजगी ॥ मिला मागी सुकीमाता
ष्टाभाष्टाभपरिणता ॥ देवी समारुहविभुता समारु
कृतमेवता ॥ साधुलभिदवभवासातिः साधुलवाद

ना॥ गोरीपद्मवतीपीनापीनवढोएऊदुला॥ पीउ
भुगारऊरुतारुदिमीऊभुमेपमा॥ भुगदुताभुप
मितामीभुमीपमिपेमया॥ मयवतीकल्पलताक
ल्याउरुदनेपमा॥ ठैरवीठीभनारुमठयानकभ
पीठगा॥ कागकारुटऊपामऊरुऊरुदमेरुमी
करुधुगीपटेइभूपगमापगमेपुगी॥ भतीभमभुती

महा महा महा भगवती ॥ पद्मपद्मपद्मकद्मपद्म
पद्मपद्म ॥ पद्मिनी पद्मवत्सला पद्मपद्मकद्ममि
वा ॥ मिवाश्रया मित्रकृता समीरक विठवती ॥
इमं प्रभुगपाठधीरे मीथीवर्गद्विः ॥ प्रमि
तुभं सुलाणगभातज्ञीमप्रभुता ॥ वी० गीतप्रि
दागायागान्नीगद्विप्र ॥ प्रतीव सुप्रकाश

भुजरीभुजगालक ॥ मलका नाक भएअ पाउलउ
लमारिणी ॥ मरतु नतुअपाम मभी हामाकरी ॥
णिनी ॥ विठामाठ भुगवल्ल भमभु भुग पातिनी
भुणभुग भुगमानी रुमाध वल्लठ दविः ॥ भुद
भुदेमनेश्वर इकुवः भुः भुअपिणी ॥ इमिभुदेव
हमभुयभुः भुअप्रणका ॥ भुनरुकरुली भकम

भक्तभातामिवालय ॥ मेतनामिदुवाकाग ठवपुडी
ठवापद ॥ विप्रसुगीगलेमाजीविप्रविपुंभिनीनि
मा ॥ वष्टवसुणनमुडाभुतिःभुतिठगभुतिः ॥ वेष्ट
वेरुभयीविष्टविणरुवरुवप्रः ॥ वाभावाभीसुगी
वाष्टकुलाकुलविमपिनी ॥ विउकुउकुनिलया
पूलयापूलभविठ ॥ यल्लेसुगीयल्लभापायाएकया

नपउगा॥ यदेसुगीयदण्णीपाचडीपचउासूया॥ पि
लभिपलापमभुनापमलाचमकाउका॥ नगीनमभि
यास्रीलास्रीमस्रीमसगायुण॥ कभेसुगीगडिद्रुडिग
रुडिदृष्टवादन॥ दगीसगीदरिवप्रदृष्टकद्रमभन्दि
उा॥ दप्रथाभुनडिचैष्टभुम्भापसुभदेधणिः॥ भवग्गे
दगभ्वाशीभप्रकऊमभप्रुठा॥ भाणकीभणकीवहनी

भप्रभउभमलमा ॥ भाप्रियाभदुदगदगकउभनेमा
भदवैष्टाप्रियावैष्टावैष्टामागभुगत्रिउ ॥ भाभउथी
नवप्रधीगुलीगुचीगमीयभी ॥ कलाउकाकलभापा
कठेगकमभयी ॥ नीलनामीमवागीमीदुगदउभ
गभुती ॥ मपगापारगागभुगतिः श्रीतिः धयेणग ॥ ध
येणभट्टमम्कयापारमदतिगलमा ॥ भरेणनिलया

नीतिः कीर्तिः कीर्तिकरीकथा ॥ कामीकामुककथामाक
मपुष्पपमारभा ॥ गभागभप्रियागेवादेवकीदेववद्गु
दुतीदूतगतिरुक्त रुभिनीविणयाणया ॥ वसेषधुग्मे
प्रहृतिः मेधाधुग्मे ॥ नदिनीवटभुलमुदभुद
भैकवल्लभा ॥ वृद्धपातिनुगीभट्टभक्तभट्टेधवचिनी ॥
भोभूयद्वाचदवाष्टा यभनयाभिनीयभी ॥ मरुमया

[illegible]

मकारायेदमाकाराकाररुविभेमिनी॥ ककाराहृ
नरुताभवमत्रुदगलया॥ मभाषऊपाष्टभालाई
गुष्टुष्टपगणितु॥ मभिकामुलिकामुममनतुगु
मभोपला॥ मपलापलमालामभादुदामादमति
का॥ मद्रिकटुष्टुदभाष्टणगभाष्टरुतुती॥ मचुदी
मल्लिनीदेवीहभुएभनप्रणितु॥ मकारामाकामेवी

भवा नरु कगी कला ॥ उ नरु भु नगी सा सु उ पु लारु
म ले म न ॥ उ मि मे वा उ क रू रा सा मि उ क ल कु धि ॥
उ ती ए भ म ल मे वी सा क र मा क का व लिः ॥ उ रु उ
उ रु वि भु भु वि न के टि भ भ म रु ॥ उ रि र ग भ रु र मा
ली मे उि द भ क वा भु तिः ॥ उ ला मे रु र मा भु रु उ
क र ग रु र मा रु क ॥ उ सु गी वै ठ व भु ए मी मा ची सु र व

लल ॥ गंसाकाभकलामेवी गंकागसिउभाऊक ॥ उग
पूठेगुसिउमउगुवाभाऊवाभिनी ॥ उधावैपुवप्रह
मउगुवाभाऊवाभिनी ॥ उधावैपुवप्रहमउगुउग
लकानना ॥ उमेसुगीसुगसेसुउकागिहमभाऊक
ऊफाभुधाहुय ॥ मउयेमिउंगविप्रह ॥ ट ॥ दही
टकागेमी टाहुवलाहुवल्लक ॥ टाहुकागुऊ

६६३
ठडकालीमकालकभात्रुकारिणी॥ कपालिनीक
पालेमीकपुग्मयमन्त्रिका॥ कामधुगीकेमलाङ्गी
काम्प्रीरुक्मिभद्रुतिः॥ उतात्रुक्मालतीरुक्मि केमल
ङ्गीकुलाकुला॥ कगलभुक्कगलभुक्कगलभुक्कगलभुक्
कुपिणी॥ काम्पुलककपडुआकामिनीकामपा
लिनी॥ ककुण्ठाकपाकशीककागदगभाङ्कका॥ १५

मा
भ

७

झदभुआपधरेमीपेममीपगगाभिनी॥ पगभना
पलेलादीपेएमपीपलनामिनी॥ पेएकायुण
दभुआपगंसुदुडिभविठ॥ पतापवीएनिलया
पकरिल्लभभाइका॥ गुष्टगएधुवरमागलेम
एननीगया॥ गैरवमीगरुदभुआगङ्गणरवरभूम
गैरगेवादनोमाचीगरलाभनवहलन॥ गाभ्ही

दकुध॥ गात्रा गका गलवे कुध॥ ॥ अउ॥ आनाक
गसुहा अउगा अंगना मिनी ॥ अएमु अएणमे
हा अनाआ अनेसुगी ॥ अनावादनमेवाम अका
गदरकुध॥ ॥ एउएवल निलया एउउपाएना
लया ॥ रेमा एउएएएएवला दुरकुध॥ ॥ म
भीकरुमिस्वा दूरी मरिक्का मरुग गिणी ॥ मलाम

दकुध॥ गात्रा गका गलवे कुध॥ ॥ ५५ ॥ ७ ॥ आचक
गसुहा ५५ ७ ॥ अंगना मिनी ॥ ५६ ॥ ७ ॥ अएणमे
ह ५५ ७ ॥ अनेसुगी ॥ ५७ ॥ ७ ॥ अतवादनमेवाम ५५ ७ ॥
गदरकुध॥ ५८ ॥ ७ ॥ एतएवलनिलयाएवकुपाएन
लया ॥ ५९ ॥ ७ ॥ रेसाएतएवलादरकुध॥ ६० ॥ ७ ॥
भीकरनमिस्त्राद्री मरिक्का मरुग गिणी ॥ ६१ ॥ ७ ॥ मलाम

मा.

भ.

०.

लामलुलाम मछीमकुलामली ॥ मछुगीकभ
गलाधामभङ्गागभुङ्गपिली ॥ मद्रलामाद्रकीभी
चीमभमभ कभत्रिठ ॥ मीनामुकगगमिद्रम
कगद्रभाद्रका ॥ म्करीम्कद्रगम्केनाम्कित्रभभु
म्कएम्कविः ॥ म्कायाभुउप्रियाम्कायाम्कवला
भलभाद्रका ॥ एगगभुएगगलेतिः एतेतीद्रपए

ए००॥ ए०य० ए०य० क० शी० म० ए० ग० क० डी० ए० ग० उ० ग० ॥ ए०
श्री० ए० भु० म० म० नी० ए० ग० म० ॥ ए० या० व० द० ॥ ऐ० इ० ए० भु०
मि० व० म० ए० नी० व० न० ए० नी० व० वा० कु० म० ॥ ए० ग० उ० म० ए० ग० वि० इ०
ए० ग० इ० नि० त्त० ल० व० ॥ ए० ल० व० उ० ग० ए० या० ए० क० ग० द० ग०
भा० इ० क० ॥ ग० म० प० गि० म्मे० सु० गी० ए० त्ता० म० क० ग० क० ग० म० इ० क०
मि० इ० इ० पा० मि० नी० वा० भा० म० क० मी० मी० न० ॥ अ० य० ॥ म० व०

मा.
भ.

००

नवी एङ्गुषासुता कङ्गादरभाङ्गका ॥ एङ्गुषुण
एङ्गासुता टैलदी एङ्गुङ्गुला ॥ एङ्गुषुण एङ्गी
ङ्गा एङ्गादरभाङ्गका ॥ इङ्गा इङ्गी सुगीदि
सुङ्गुवलादरभाङ्गका ॥ मिनेमेयामिलदसु
रङ्गादरभाङ्गका ॥ लेमानात्रा वजात्रा क
गङ्गाङ्गुषा ॥ उगी उवाउलाङ्गुङ्गा त्रिपुगाङ्गुभभपि

या॥ उ० उ० ला० उ० रि० नी० उ० ग० उ० पु० वि० म० उ० ति० उ० धि० नी० ॥ डि
भु० ग० उ० रि० गु० उ० ऐ० या० उ० मु० के० मी० डि० लि० क० ष० क० ॥ डि० व० ने०
मा० उ० यी० इ० दा० डि० प० मा० वे० म० उ० धि० नी० ॥ डि० लि० क० ण० न० नी०
मे० व० डि० पु० रे० सु० ग० प्रा० णि० उ० ॥ उ० ग० प० भी० उ० मु० म० मु० उ० उ० मे०
ग० पु० ण० म० नि० डि० उ० ॥ उ० ला० कि० टि० भु० ना० उ० धी० उ० थ० म० ष० ल
मा० यि० नी० ॥ उ० गी० भु० रु० म० पा० म० उ० ग० क० भु० ग० प्रा० ति० नी० ॥

उगलादी उभेदरी उकागदगमाइक ॥ अली
अविगुधाम अला अली अलानिनी ॥ अ
विरेमा अलभापी सकागदगमाइक ॥ ५
उकामिवदुतीमम ॥ यणगदुतिः ॥ मयामी
नारकमपममेलिणगवलठ ॥ मेमात्र
गिलिदेकाइ विरेमीमयेवभी ॥ माकाय

लीडू भलता मेव भाता मिमेवता ॥ मठिए दुल्लठ
 मेवी मका गढ गभाऊका ॥ णहु णम भुभुचरु ण
 नम णनचचिनी ॥ यतिवुता णवप्रचका गढ
 गभाऊका ॥ नलिनी नालिका नाणा नाग मयु णण
 गिणी ॥ नीधेधव नम एभु नगरे सी नरुडिमा ॥ नगी
 सुगी चपाएडा नर नागय ॥ भुभुः ॥ नडकी नीर

मा.
 भ.
 ०३

एकीमचवलाकरकुप ॥ पदेसुगीपम्भमापीप
इयाचापगापम ॥ पगवागसुतापीयापम्वनाप
वचिनी ॥ पुः पगरिवपुः पम्भापद्दीपदि वाद
ना ॥ पीवगंभापतिपु पीतलादीपतिप्रिया
पाठापीठसिमुतापीतवभुलल्लुगकुप ॥ पुकु
वभुतापाद्दीपदिकापुम्भपुम्भ ॥ पुम्भेउमापम्भ

वतीपकागदभाऊका॥ दलमाभूतीउवभूमासदे
गवागवलीध॥॥ दल्लुणीदल्लुतीऊऊ दवला
दुतमभूना॥ गालपिल्लुमागालामगालागाल
गिप्रिया॥ गालुवभूवतूगीमीरकपादुतमाऊ
का॥ ठडिकणीमपड्डीमठीमाठनमिपाठया॥ ठ
यधीठीमनामासठयानकमपेद॥॥ ठिलेस

गीठीतिदहा ठड्डाठागृवसिनी॥ ठगभालाठ
गावाभाठवाचीठवउपरिणी॥ ठगयेनिठगाक
कागठगभुठगकुपिणी॥ ठगलिङ्गभउशीउ
ठकपाठगमाडका॥ भाट्टाभाचपूढभीचाभी
नकीउचलालमा॥ भड्डुताभनेमट्टाभीचामे
नाकवड्डुला॥ भागट्टाभड्डुपामभड्डुप्याताभड्डु

ॐ भेरुमस्तुतुस्तुभैरवकादगप्रणिता ॥
भाउद्दिनीभतुभन्नाभप्रभतुभजेसुगी ॥ भद्रभ
गुननाभसुभकागकरकुप ॥ यमसिनीय
मीमानीयकशीवपुप्रिया ॥ बल्लभश्रीवल्लभ
लायद्वेष्टमल्लभ ॥ यमैरवतिभेष्टम
याप्रयातिकवस्तुला ॥ योगीसुगीयोगगष्टयोगी

मा.
भ.

इएनवइला यइपइीयमभैमयकगदगभाउ
का॥ गइीसुगीगभाचावभेहगवगएभुला॥ गए
मगएगएमेगीगदइीगएवउी॥ गइाकगभुउ
भगइीगइिपतिप्रु॥ गइेप्रीगदभेमाची ग
केचावभभमिउा॥ गतिप्रियागउभापीगकागदउी
मेपग॥ लभेमगीलललिङ्गलाभुउउगभाचभ

लुताउतुविनभुलङ्गीः लाएलयालिनी॥ लिक्कीस
मीलिकेणश्रीलाएभुलङ्कादाडिः॥ लङ्कलसुक
मिन्नाभालकागकागवचिनी॥ लिङ्गशीताकलिङ्गे
मीलिङ्गभुलिङ्गलिङ्गिनी॥ लङ्गीः अपागभिलाभ
गभागेवारणभुला॥ लयमलङ्का॥ लीलालका
गदागभाङ्कका॥ वीरेसुगीवीगणशुवीगमव॥ मन्ति

ॐ ॥ वगयणवगकमवाभजावाभजादतिः ॥ व
प्रकावष्कावष्टावष्टावनिरेप्रियमा ॥ वभती
लङ्गीवदकीवदकावदकेसरी ॥ वदप्रियावाम
नेत्रवाभामपैकलालमा ॥ वातुष्टाष्टावगदिद
वेरुमातावभुक्तग ॥ वयियातावयष्टामवकागमा
दभाक्त ॥ मभुप्रियामगसुजासादुलाममिव

॥ मीउरुतिः मीउमिवामि ॥ श्रीमीकरधूठ ॥
मीवडुलापुनामवा मववाभाज वाभिनी ॥ ममा
कमललक्ष्मी ममादुलउउरगदिए ॥ मिधद्रीमभी
भलामकगठुतिमेपग ॥ धिमुमिधुमेउंभाधर
धेरुमउानना ॥ धदुएधदुभाधरुधवलाकर
भाक ॥ धिमुमीतिभापाधुएधदुधुएणननी

प ६२ ॥ भय भुत प्रभु भवा भव गा भव ते भय ॥
भा भीता भती भाता भाग गठ वर यिनी ॥ भम भु
था पम मनी भाल ठहूँ भुद दि ॥ भु प्रि भग
भा भा प्री भा भगा भा भवे रु ॥ भट प्रिया भै भ भ
पी अइ भु अइ वल्ल ठ ॥ भन के मी भु न रु म भव
न भु भन उता ॥ भे उ उता भ भ भु मा भ का रु क

बल्लभा ॥ फलाफलप्रियाफेलाफागवविष्णु

ॐ दादाऊऊभुऊपासफलमाङ्गीफलप्रिया ॥ दं

कः लेकः शुक्रपाम भवभाद्रकप्रणिता ॥ ५॥ दिनेशु

ਯੋਗਕੁਪਾਦਵਿਧਾਦੇਤਿਵਲੁਕੁ ॥ ਚਿੰਤੋਮੋ: ਹੋਮਿਮਦਵਿ

ॐ सं ह्रीं श्रीं भुक् पिनी ॥ ० ॥ ॐ तिस्रीं मारिक

महाभक्तनामभद्रभूकम् ॥ ५४० ५४१ एतत्सुदेव

卅

03

उवैपुवप्रणिउभा॥ उमेवःप०उमेविश्रावयेहःम
लिडिम॥ भावठगवात्रेवभट्टभट्टभुगेभुगि॥ एक
कालेष्टिकालेवात्रिकालेप०उतेनः॥ वाभासागप
गमेविउभृपुष्टलेम॥ भृकदंरणिगदंमकु
भृदट्टासुसिष्टिकाम॥ वाउपिउकयज्ञुल्मात्रुऊ
भृवविप्रुमिकाम॥ भृहःसमयउमेविश्रुयायःप

० त्रिमि ॥ मपभ्रागेकलपीं मां सुलगे म्ठ गत्र
भ ॥ भाभभाउं पं ० ह्मु भगे गै म्ठ उ प्रवम ॥ ठे
भेमनिमिनेवापिमरूमठे पं ० ह्मि ॥ म्ठ उ म्ठ म
देमा निमारिक वरम ठवेउ ॥ म्ठ प्य वे पं ० ह्मु
त्रिवारंग त्रिहृये ॥ म्ठ वलिं भुगं भुं भुं भुं
भं भठक्ति कभा ॥ म्ठेल इ गभा कीलं मारी प्राद

मा.
भ.



यः पुणेदेविलीलायां मित्रायां मित्रमभिषिञ्चते ॥ पा
नं पात्रं त्रिवारं तु तस्य पुष्टं फलं स पुष्टं ॥ ब्रह्मदंष्ट्राय
गिदंष्ट्रा भुगधा नमो गवणम् ॥ भद्रापातकमञ्जुं
गुरुतल्पगतिद्वयम् ॥ ते ये वा ब्रह्मदंष्ट्रा मनामये
चाक्षुभंसवः ॥ भावयथगमः पुत्रियमसुलीलकप्रति
तः ॥ वरुणचक्रभेदे विवीर्यमेक उवहलः ॥ मरु

ननेपेदेमुभाएकेमक्तिभविणे॥ शिवागंमुद्रयापु
ऊःमठवेदेरवेसरः॥ किंकिंचलठउरेविभाएके
वीगभाएकः॥ पश्वात्रुनवांल्लेकेमहामारपरः
मिवः॥ मक्तिंभमुणिमेवेमिपेदेकुंउंपगमय
मा॥ उदलेकेभापेउडापरइद्रिद्विठणेउ॥ उ
उिनामभमदभुउमारिकायामनेदग्मा॥ गेष्टेगुरु

मा.

भ.

३.

उगंलिकेगेपनीयंभुयेनिवउं॥उ॥सु॥सु॥सु॥

मलेउ॥सा॥रि॥का॥भ॥द॥भु॥न॥भ॥भ॥भु॥ल॥भ॥॥सु॥

ठमभु॥॥भभापुंदिमंसा॥रि॥का॥भ॥द॥भु॥न॥भ॥भ॥